

15/2/23

पत्रावली प्रस्तुत हुई आगे की प्रतिक्रिया
 पीठासीन अधिकारी **अनुराधा** द्वारा है।
 पत्रावली द्वारा शीघ्र **10/5/23**
 का पेश हो। **वहस** **13/3/23**
रु

13/3/23

पत्रावली प्रस्तुत हुई आगे की प्रतिक्रिया
 पीठासीन अधिकारी **बार 2-युगन**
 पत्रावली द्वारा **अभिय** **31/5/23**
 का पेश हो। **वहस**
रु

15-05-23

अधिवक्ता शीघ्रगण द्वारा सार्पना पत्र पेश कर
 सफल में शीघ्र सुनवाई किने जाने हेतु सिविल
 क्रिया शीघ्रगण पत्र की अधिवक्ता **किपक्षीगण** की
 दिलवाई गई। पत्रावली **बहस** हेतु **क्रियांक 235-23**
 निम्न की जाती है।
रु

23-05-23

पत्रावली पेश हुई अधिवक्ता **इमरपत्र** इपास्मिन।
 सफल में **इमरपत्र** की **बहस** सुनी गई। पत्रावली
 वाले **आदेश 3.05.2023** को पेश हो।
रु

31-05-2023

पत्रावली पेश हुई अधिवक्ता **इमरपत्र** इपास्मिन।
 अधिवक्तागण की **बहस** पूर्व में सुनी जा चुकी है।
 पत्रावली का **अवलोकन** **क्रिया** की क्रिया जा चुकी है।
 तदनुसार **निर्णय** पृथक से लिखवाया जाकर **सुन**
न्यायालय सुनाया गया। पत्रावली **कैलल** शुमार
 होकर **नम्बर** से कम है।
रु

इमरपत्र अधिकारी
मांडलग